पुस्तक संबंधित अभ्यास कार्य (पेज नंबर 88)

2. सही उत्तर पर सही का चिन्ह लगाइए- (नोट यहां सिर्फ सही उत्तर दिए गए हैं।)

क) संस्कार द्वारा ब्लैक बेल्ट मिलने के समय के बारे में पूछने पर –

(iii) मास्टर ने एक सच्ची कहानी सुनाई

ख) नवयुवक ने कहा – "जरूर ! मैं तैयार हूं।" उसे लगा मास्टर –

(ii) अपने समक्ष मुकाबला करवाएंगे

ग) कहानी सुनने के बाद सक्षम और संस्कार मुस्करा दिए थे, क्योंकि उन्हें समझ में आ गया था –

(iv) उपर्युक्त सभी

3. आशय स्पष्ट कीजिए।

क) ब्लैक बेल्ट आरंभ है, एक कभी न खत्म होने वाली यात्रा का।

अर्थ – पंक्ति का आशय है कि ब्लैक बेल्ट हासिल करना एक ऐसी यात्रा है जो कभी समाप्त नहीं होती। इस यात्रा में खिलाड़ी हमेशा अपने प्रदर्शन का सुधार करता है, हमेशा कुछ नया सीखता है और समय के साथ अपने को और अधिक दक्ष तथा प्रवीण बनाता जाता है। साथ ही इससे खिलाड़ी की एकाग्रता, दृढ़-संकल्प तथा आत्मनियंत्रण में समय के साथ बढ़ोत्तरी होती है। इसमें खिलाड़ी हमेशा उच्चतर से उच्चतम मापदंड हासिल करने के लिए प्रयासरत रहता है। इसलिए इसे कभी न समाप्त होने वाली यात्रा कहा जाता है।

ख) शिखर पर पहुंचना शिखर पर बने रहने से आसान होता है।

अर्थ - प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि किसी भी क्षेत्र में उस क्षेत्र के उच्चतम मुकाम को हासिल करना आसान है, जबकि उस पर बने रहना बहुत कठिन है। इसके लिए खिलाड़ी को हमेशा मेहनत करनी पड़ती है। अन्यथा वह अपने स्थान से गिर जाएगा और कोई अन्य खिलाड़ी उस स्थान को प्राप्त कर लेगा। इस कारण कहा गया है कि एक खिलाड़ी को उच्चतम स्थान प्राप्त करना आसान है, लेकिन उस पर बने रहने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है।